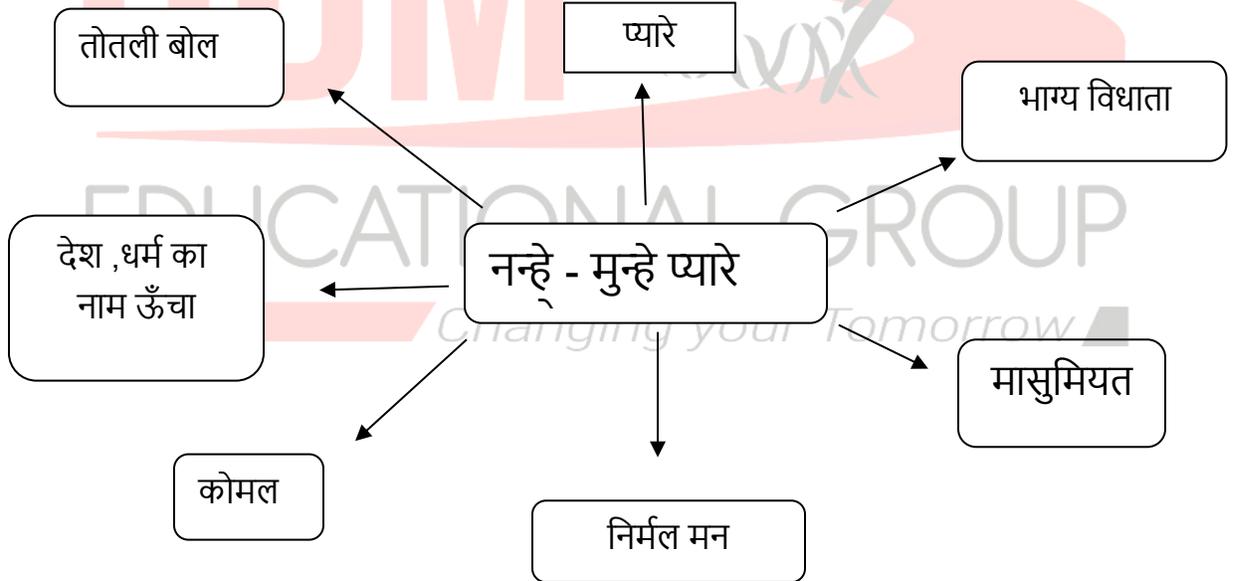


## Chapter- 4

### नन्हे - मुन्हे प्यारे बच्चे

#### STUDY NOTES

#### MIND MAP



## सारांश-

इस कविता में कवि नन्हे मुन्हे बच्चों के रूप गुण कि वर्णन करते हुए उनको देश के निर्माता तथा भाग्य विधाता कहे हैं। नन्हे बच्चे फूल के तरह कोमल होते हैं और उनके खुशियों से सारे हिंदुस्तान खिल उठता है। इन बच्चों के मासुमियत बके मन को मोह लेता है। उनके तोतली बोल, निर्मल मन भगवान को भी भाता है। बच्चे भगवान के अनमोल वरदान होते हैं। यही बच्चे बडे होकर देश, धर्म का नाम उँचा करते हैं। भारत के यह सब भाग्य बिधाता हैं। इनके कारण भारत गर्व करेगा और चारों तरफ उसका नाम होगा।

